



# Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 12-2025] CHANDIGARH, TUESDAY, MARCH 25, 2025 (CHAITRA 4, 1947 SAKA)

## PART-I

### Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 13 मार्च, 2025

**संख्या 12/250-2024/पुरा/1438-1444.**— चूंकि, हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों तथा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों का हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है;

इसलिए, अब, हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा, नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हों, के साथ जो प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जाए, पर विचार करेगी।

### अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/ शहर का नाम	तहसील/ जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/ किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल-मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
श्यामसर तालाब, चरखी दादरी	श्यामसर तालाब, चरखी दादरी	चरखी दादरी	चरखी दादरी	नगरपालिका समिति, चरखी दादरी	14810 वर्ग गज	नगरपालिका समिति	श्यामसर तालाब का निर्माण 17वीं शताब्दी में सीताराम सेठ ने करवाया था। वह शुरू में दादरी से आए थे और बाद में लाल किले के निर्माण के दौरान दिल्ली चले गए। किसी समय सीताराम सेठ को मुगल बादशाह के

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/ शहर का नाम	तहसील/ जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/ किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल-मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
							कोषाध्यक्ष के सहायक के रूप में नियुक्त किया गया था। यह तालाब लगभग 40 फीट गहरा है और इसका निर्माण कलियाना की पहाड़ी के नीले और भूरे पत्थरों का उपयोग करके किया गया था। यहां चार घाट हैं: गऊ घाट, खाटू श्याम घाट, सीताराम घाट और एक झरना घाट, तथापि, उनमें से अधिकांश अब लगभग नष्ट हो चुके हैं। प्रत्येक घाट में तालाब तक पहुंचने के लिए 101 सीढ़ियाँ हैं, जिसमें गौ घाट पर गायों के लिए एक निर्दिष्ट क्षेत्र भी शामिल है। प्रत्येक घाट के पास मुगल वास्तुकला के अनुसार छत्री संरचनाएँ बनाई गई थी। शुरुआत में श्यामसर तालाब के आसपास 8 कुएं और मंदिर थे, लेकिन आज केवल 2 मंदिर और 1 कुआं ही क्रियाशील हैं। ऐसा माना जाता है कि श्यामसर तालाब में पानी प्राकृतिक जल स्रोत के माध्यम से कलियाना और कपूरी पहाड़ियों से आता था।

कला रामचंद्रन,  
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,  
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

## HARYANA GOVERNMENT

### HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

#### Notification

The 13th March, 2025

**No. 12/250-2024/pura/ 1438-1444.**— Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains and ancient and historical monument specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monument specified in column 1 of the Schedule given below, to be a protected archaeological sites and remains specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be a protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, which may be received by the Principal Secretary to Government, Haryana, Heritage and Tourism Department, Chandigarh from any person with respect to the proposal before the expiry of the period so specified: -

**SCHEDULE**

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district.	Revenue Khasra/ Kila number under protection	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Shyamsar Talab, Charkhi Dadri	Shyamsar Talab, Charkhi Dadri	Charkhi Dadri	Charkhi Dadri	Municipal Committee, Charkhi Dadri	14810 sq. yds.	Municipal Committee	Sitaram Seth built Shyamsar Talab during the 17th Century CE. He initially came from Dadri and later moved to Delhi during the construction of the Red Fort. Sitaram Seth was appointed as the treasurer's assistant to the Mughal emperor at some point. The pond is around 40 feet deep and was constructed using blue and brownstones from the hill of Kaliyana. There are four ghats: Gau ghat, Khatu Shyam ghat, Sitaram ghat and a waterfall ghat, though most of them are almost destroyed now. Each ghat has 101 steps to access the pond, including a designated area for cows at the Gau Ghat. Chatri structures were built according to Mughal architecture near each ghat. There were initially 8 wells and temples surrounding the Shyamsar pond, but only 2 temples and 1 well remain functional today. It is believed that the water in the Shyamsar pond came from Kaliyana and Kapuri hills via natural water source.

KALA RAMACHANDRAN,  
Principal Secretary to Government, Haryana,  
Heritage and Tourism Department.